Roll No. : .....

Total Pages : 7

5383

M.A. (Final) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – III

(नाटक एवं रंगमंच)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड–अ [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–ब [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–स [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

[P.T.O.

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) चंद्रगुप्त का संबंध किस वंश से था?

(ii) तक्षशिला के राजकुमार व राजकुमारी का नाम बताइए।

(इकाई–II)

(iii) मोहन राकेश ने अपने नाटक का शीर्षक 'आधे-अधूरे' क्यों रखा ?

(iv) मोहन राकेश के **दो** अन्य नाटकों के नाम बताइए।

(इकाई–III)

(v) माधवी किस ऋषि की पुत्री थी? पिता ने उसे किसे दान में दे दिया था?

(vi) ''मैं गालव का दंभ तोड़ना चाहता था, तुमने मेरा दंभ तोड़ दिया .....'' कथन किसके द्वारा किससे कहा गया है?

(इकाई–IV)

(vii) ''क्या वे दोनों सह सकेंगे? गांधारी टूटकर बिखर तो नहीं जायेगी? ..... इतने पुत्रों की मृत्यु हुई'' – 'कोमल गांधार' में प्रयुक्त यह संवाद किस पात्र का है?

(viii) 'आठवाँ सर्ग' नाटक की मूल संवेदना क्या है?

(इकाई–V)

(ix) जयंशकर प्रसाद की समकालीन लोकप्रिय रंगमंच शैली का नाम बताइए।

(x) भारतेंदु जी के **चार** नाटकों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

(इकाई–I)

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''पिता का पता नहीं, झोंपड़ी भी न रह गई। सुवासिनी अभिनेत्री हो गई – संभवतः पेट की ज्वाला से। एक साथ दो-दो कुटुम्बों का सर्वनाश और कुसुमपुर फूलों की सेज में ऊँघ रहा है ! क्या इसीलिए राष्ट्र की शीतल छाया का संगठन मनुष्य ने किया था ! मगध ! मगध ! सावधान ! इतना अत्याचार ! सहना असंभव है। तुझे उलट दूँगा ! नया बनाऊँगा, नहीं तो नाश ही करूँगा !

3. 'चंद्रगुप्त' नाटक में चाणक्य की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

हाँ, मैं आती हूँ कि एक बार फिर खोजने की कोशिश कर देखूँ कि क्या चीज है वह इस घर में जिसे लेकर बार-बार मुझे हीन किया जाता है! तुम बता सकती हो ममा, कि क्या चीज है वह? और कहाँ है वह? इस घर की खिड़कियों दरवाजों में? छत में? दीवारों में? डैडी में? किन्नी में? अशोक में? कहाँ छिपी है वह मनहूस चीज, जो वह कहता है कि मैं इस घर से अपने अंदर लेकर गई हूँ?

5. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

असल बात इतनी ही है कि महेंद्र की जगह इनमें से कोई आदमी होता तुम्हारी जिंदगी में, तो साल-दो-साल बाद तुम यही महसूस करतीं कि तुमने गलत आदमी से शादी कर ली है। उसकी जिंदगी में भी ऐसे ही कोई महेंद्र, कोई जुनेजा, कोई शिवजीत या कोई जगमोहन होता जिसकी वजह से तुम यही सब सोचतीं – यह सब महसूस करतीं। क्योंकि तुम्हारे लिए जीने का मतलब रहा है – कितना-कुछ एक साथ हो कर, कितना-कुछ एक साथ पाकर और कितना-कुछ एक साथ ओढ़कर जीना।

(इकाई–III)

6. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

कभी-कभी मुझे लगता है मैं कोई दुस्वप्न देख रही हूँ, मेरे चारों ओर राक्षस और दानव घूम रहे हैं। कर्तव्यपरायण दानव ..... तीनों राजा मेरे बच्चों को साथ लेकर यहाँ पहुँच गए हैं। जैसे मछली पकड़ने के लिए काँटे में छोटी मछली लगा दी जाती है, वे मेरे बच्चों को मेरे सामने ला कर मुझे प्रलोभन देंगे। सभी कर्त्तव्य के पक्के, सभी महादानव।

7. ''माधवी कथ्य की दृष्टि से सशक्त किन्तु रंगमंच की दृष्टि से उतना सशक्त नाटक नहीं है'' – कथन के आधार पर 'माधवी' नाटक की रंगमंचीय दृष्टि से समीक्षा कीजिए।

(इकाई–IV)

8. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

क्या उसने स्वप्न नहीं देखे होंगे तुम्हारी तरह ..... क्या उसने कल्पना नहीं की होगी रम्य जीवन की ..... लेकिन नहीं ..... वह तुम्हारी तरह टूटी नहीं, उसने अपने दुख को एक जड़ता और संज्ञाहीनता की भाषा नहीं दी तुम्हारी तरह ..... निराशा में भी उसने एक सार्थक व्याख्या ढूंढी, उसे नकार नहीं दिया तुम्हारी तरह .....

9. 'आठवाँ सर्ग' नाटक में कला व साहित्य की स्वायत्तता के सम्बन्ध में उठाए गए प्रश्नों पर अपना मत व्यक्त कीजिए।

(इकाई–V)

10. नुक्कड़ नाटकों की विशेषताएँ बताते हुए उनके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

11. नाटक कितने प्रकार के होते हैं, संक्षेप में बताइए।

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. प्रसाद जी की नाट्यकला की विशेषताएं बताते हुए, हिन्दी नाटक के विकास में उनके योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–II)

13. '' 'आधे-अधूरे' नाटक मध्यवर्ग के पारिवारिक जीवन में आए तनावों और उलझनों का दस्तावेज है'' – नाटक की विषय-वस्तु की समीक्षा करते हुए बताइए।

(इकाई–III)

14. माधवी के जीवन की घटनाओं के आधार पर समझाइए कि वह सदियों से शोषित होती आ रही नारी का प्रतीक है।

(इकाई–IV)

15. 'कोमल गांधार' **अथवा** 'आठवाँ सर्ग' की नाटक के तत्त्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

(इकाई–V)

16. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) स्त्री-विमर्श और हिन्दी नाटक।

(ब) आधुनिकताबोध और हिन्दी नाटक।

(स) भारतेंदुयुगीन नाटक।

(द) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच।